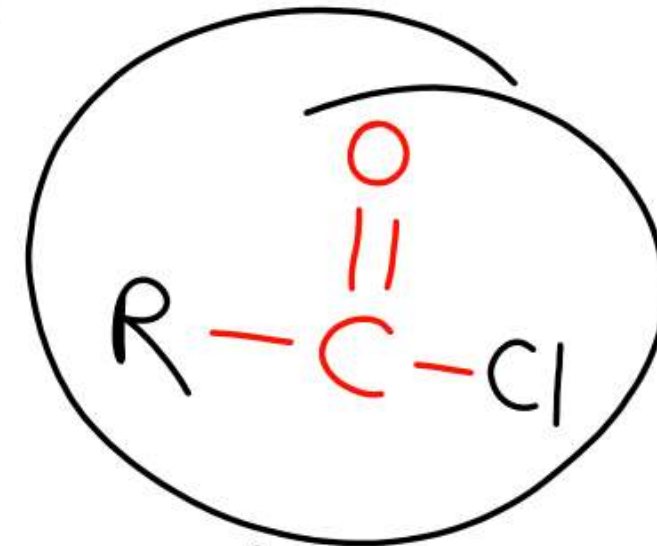
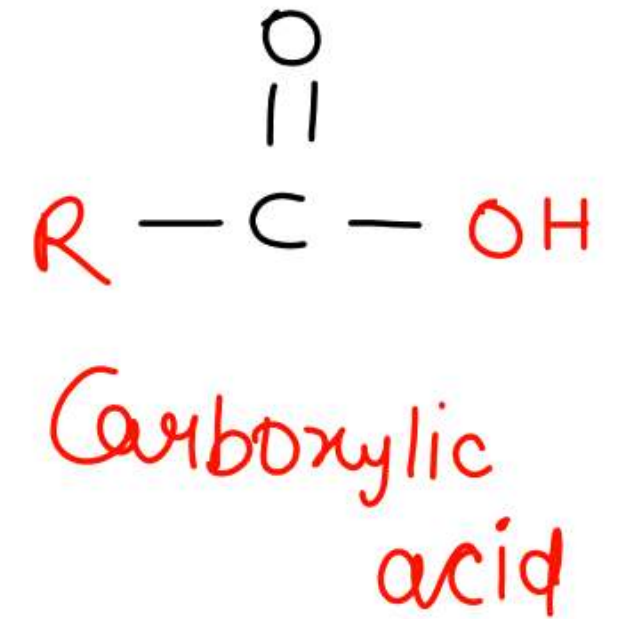
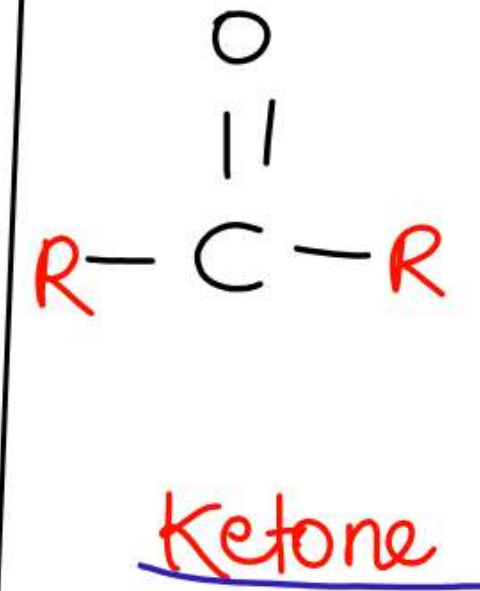
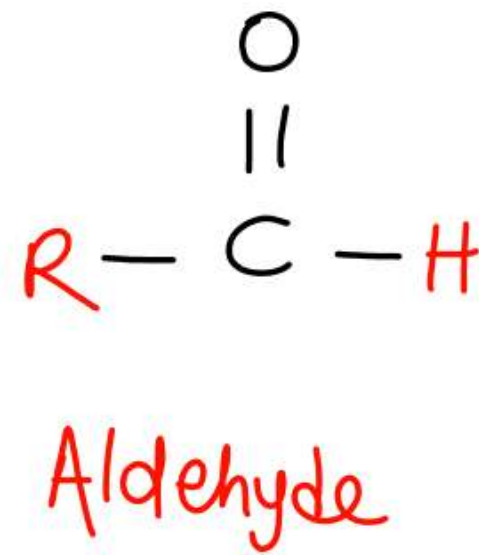
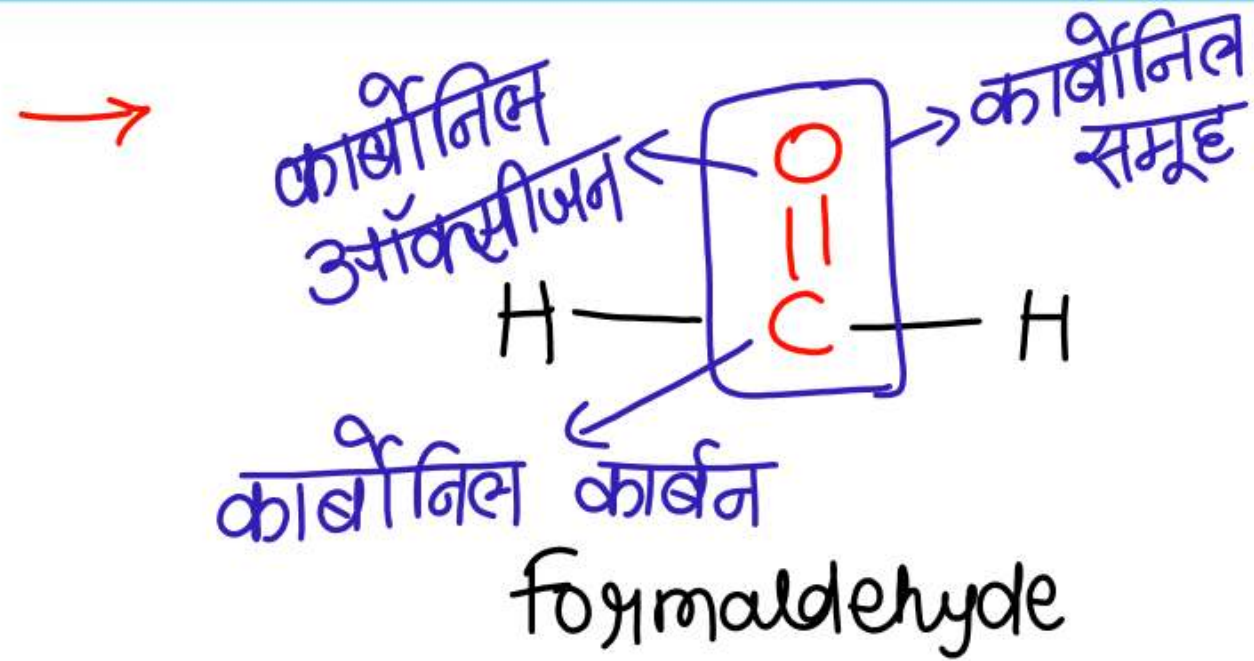
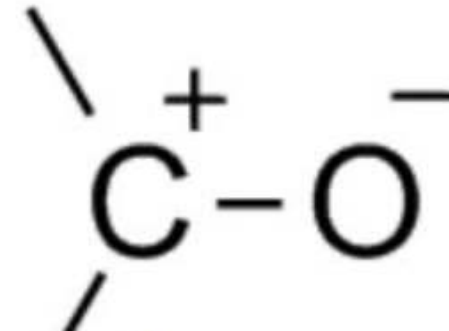
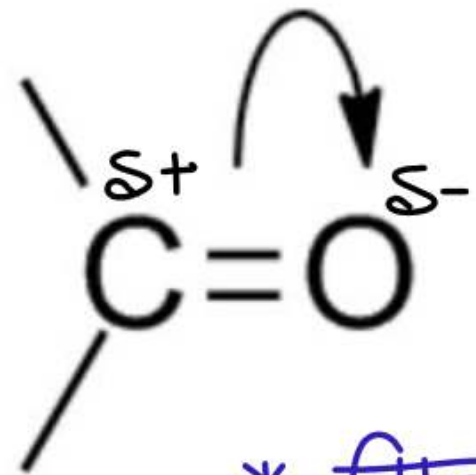


Chapter-12. ऐल्डिहाइड, कीटोन एवं कार्बोक्सिलिक अम्ल

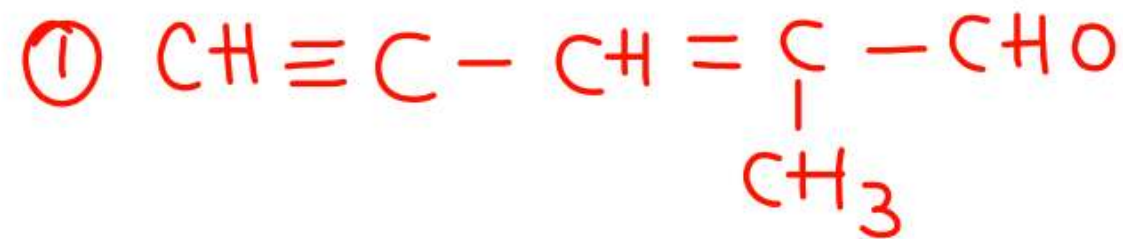
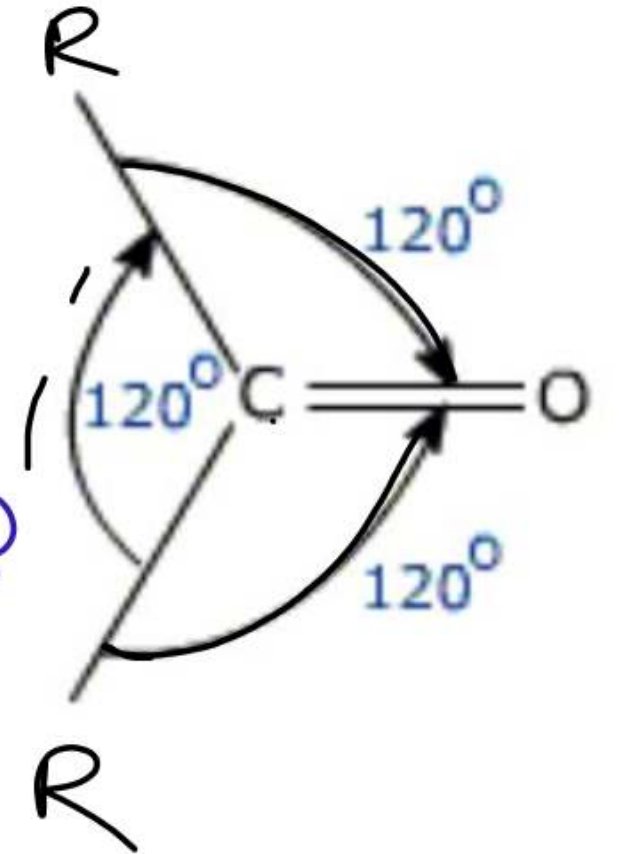


Acid chloride

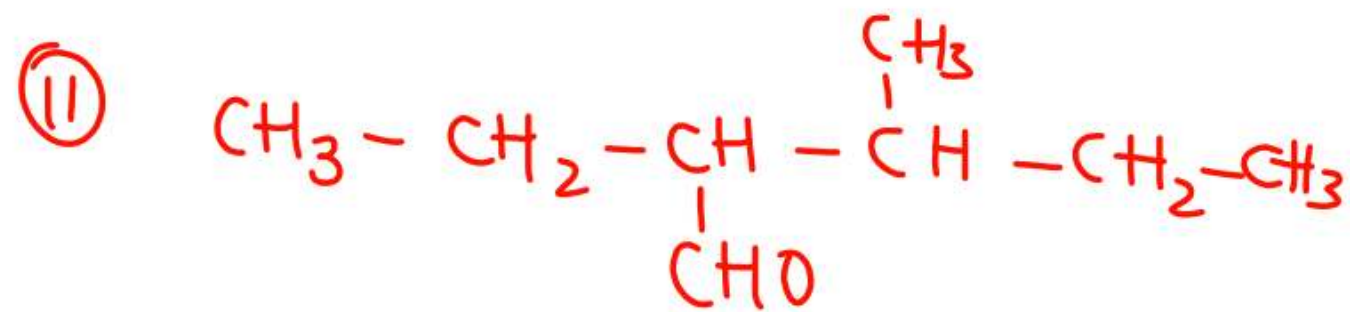
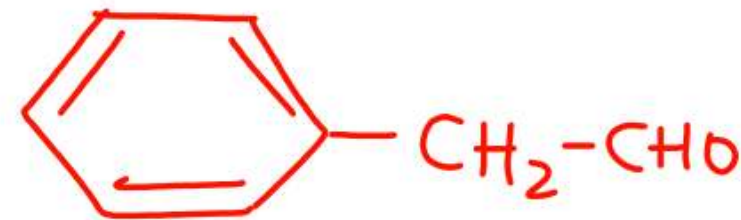
Chapter-12. ऐल्डिहाइड, कीटोन एवं कार्बोक्सिलिक अम्ल



* निम्नलिखित का IUPAC नाम लिखें: (Home work)



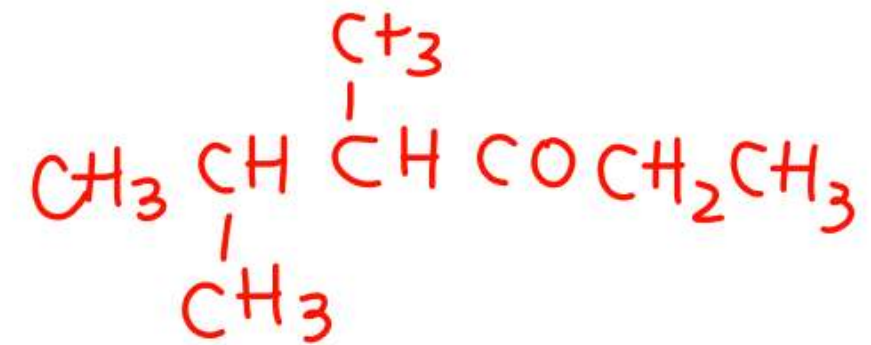
③



④



⑤

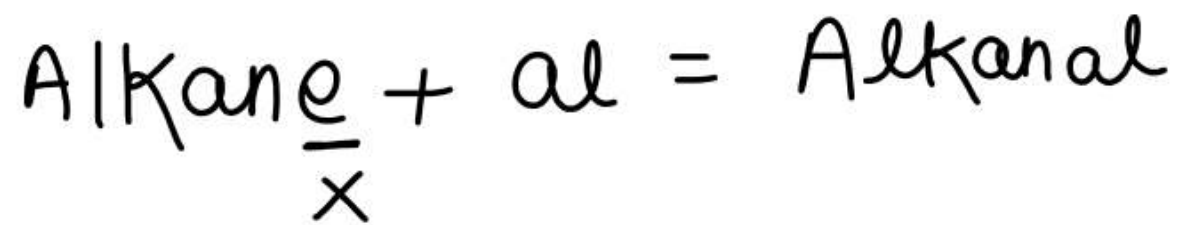


Chapter-12. ऐल्डिहाइड, कीटोन एवं कार्बोक्सिलिक अम्ल

ऐल्डिहाइड तथा कीटोनों के नामकरण

IUPAC

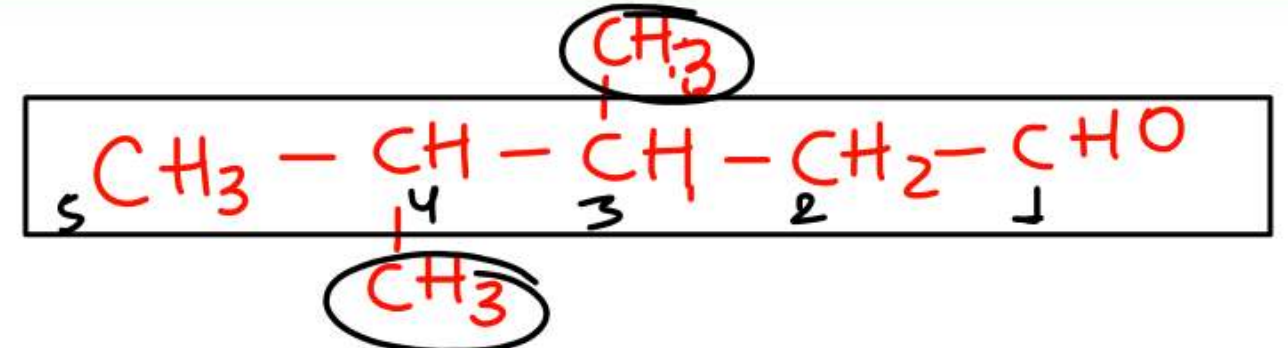
Alddehyde



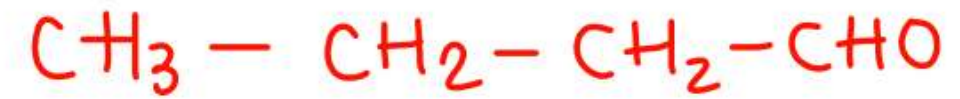
methanal



Ethanal

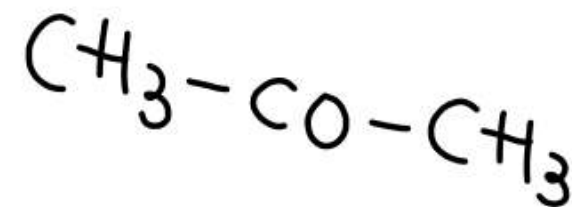
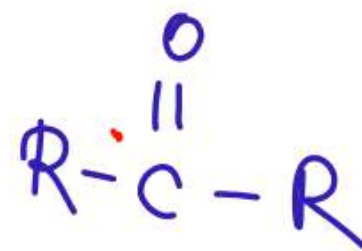
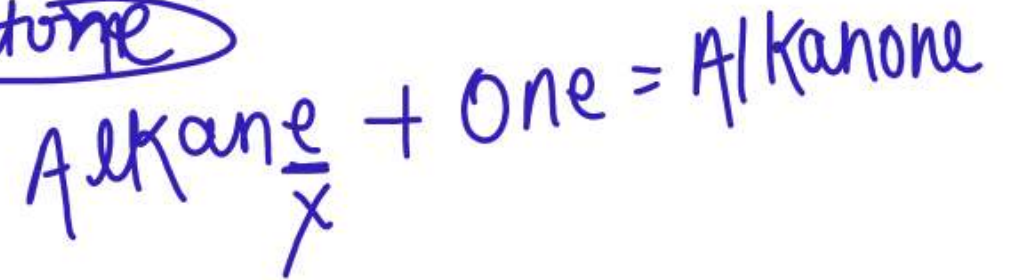


3,4-dimethyl pentan-1-al



n-Butanal

Ketone



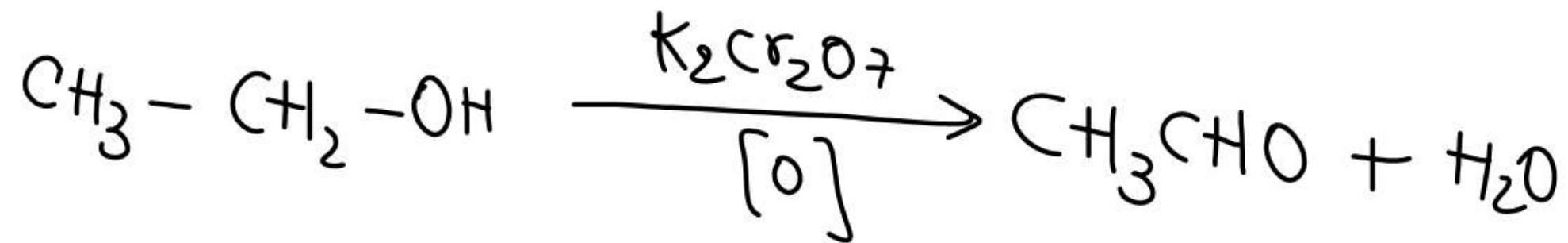
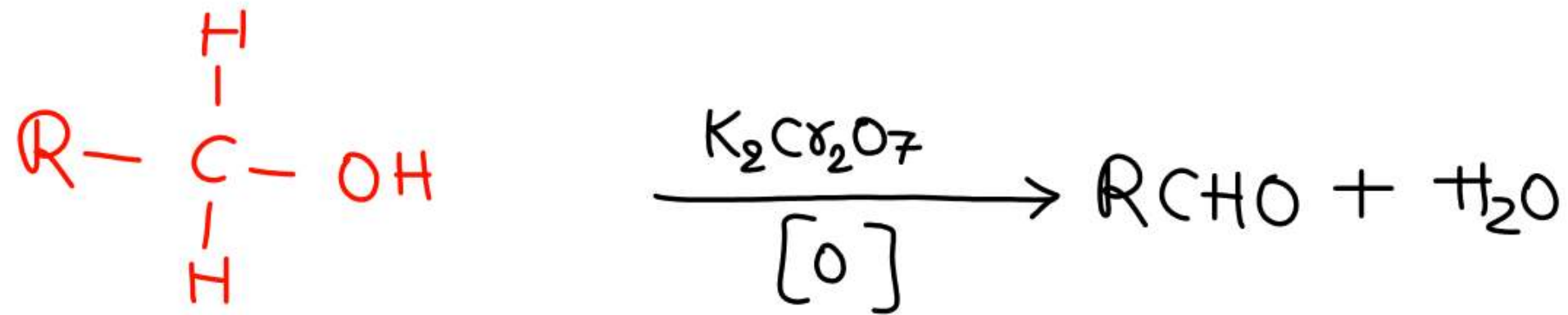
Propanone

Chapter-12. ऐल्डिहाइड, कीटोन एवं कार्बोक्सिलिक अम्ल

1. ऐल्कोहल से

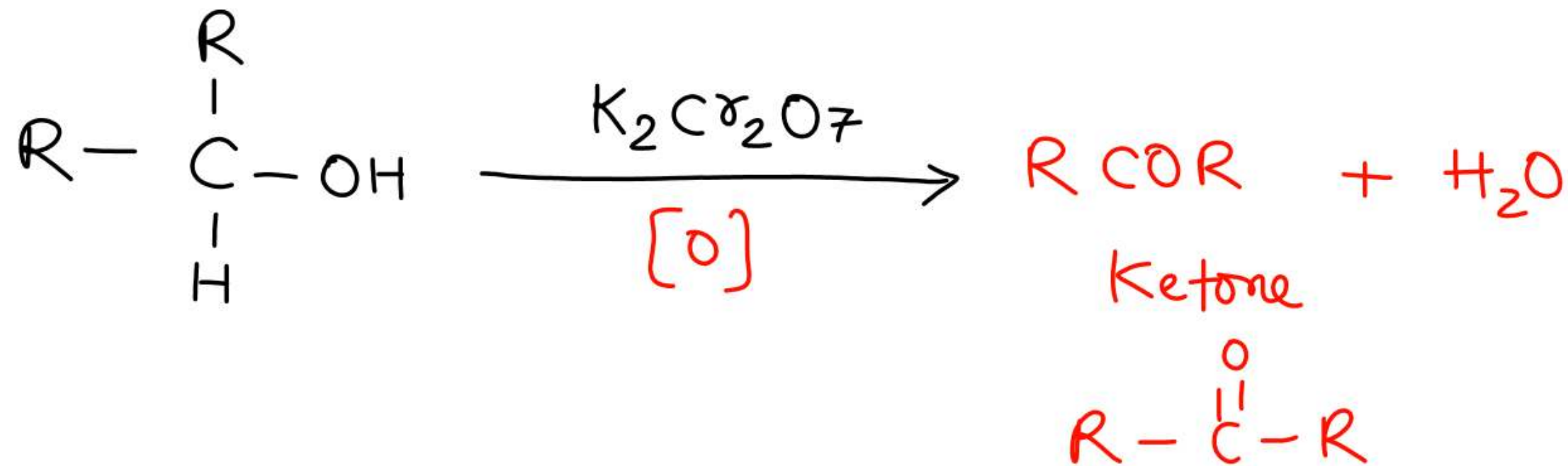
(a) ऐल्कोहल के ऑक्सीकरण द्वारा

ऐल्डिहाइड : प्राथमिक ऐल्कोहल का ऑक्सीकरण अम्लीकृत पोटैशियम डाइक्रोमेट या पोटैशियम परमैंगनेट द्वारा करने पर ऐल्डिहाइड प्राप्त होते हैं ।



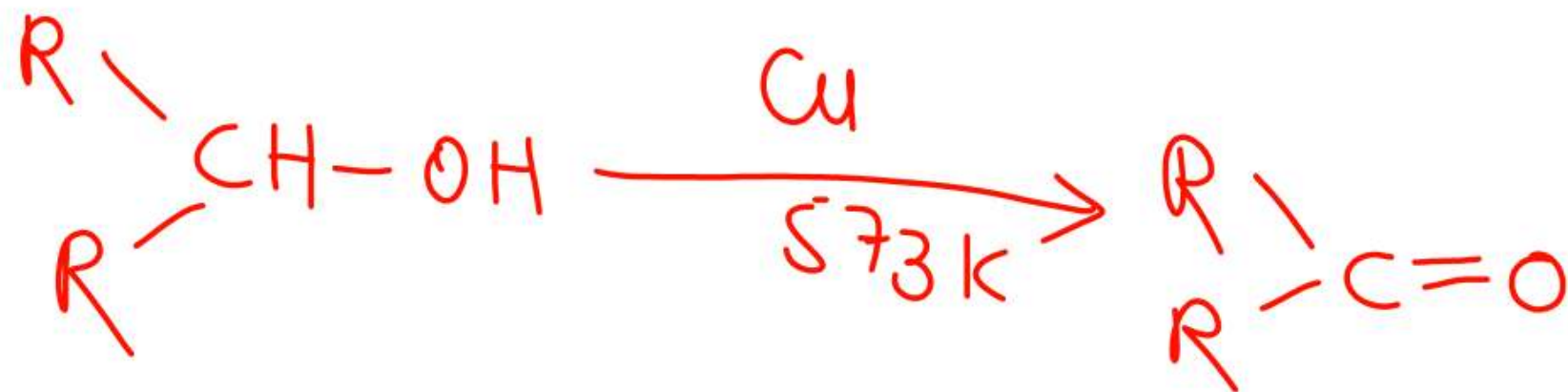
Chapter-12. ऐल्डिहाइड, कीटोन एवं कार्बोक्सिलिक अम्ल

कीटोन : द्वितीयक ऐल्कोहलों का ऑक्सीकरण अम्लीकृत पोटैशियम डाइक्रोमेट या अम्लीकृत पोटैशियम परमैंगनेट से करने पर कीटोन प्राप्त होता है ।



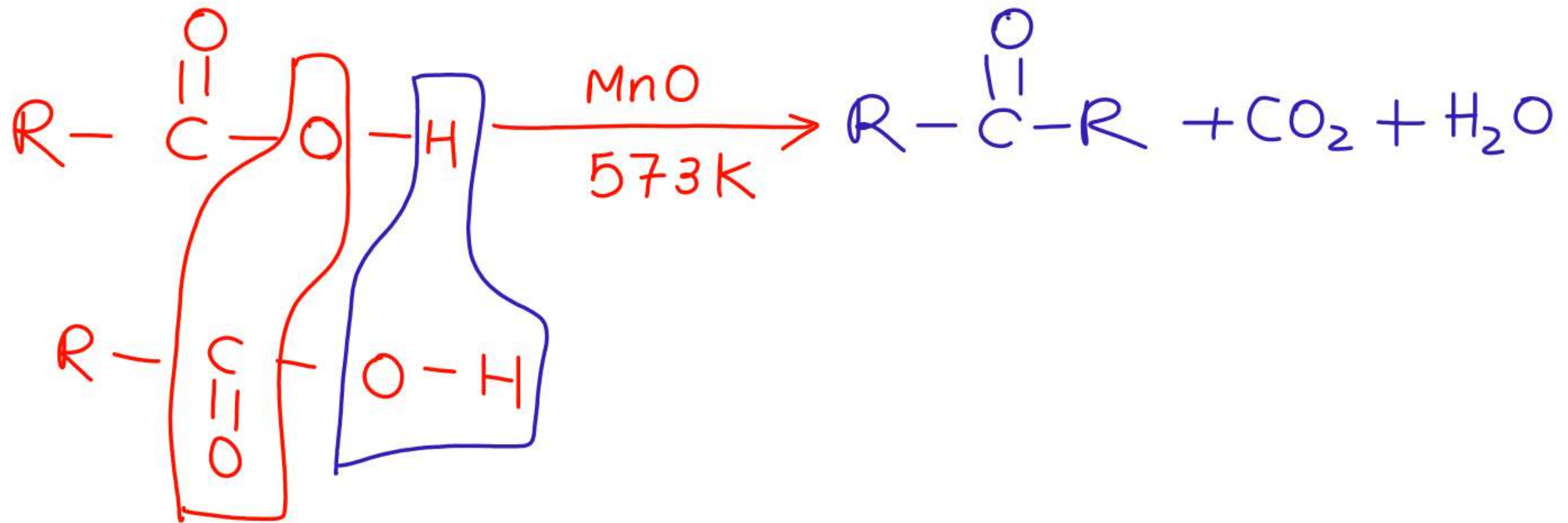
Chapter-12. ऐल्डिहाइड, कीटोन एवं कार्बोक्सिलिक अम्ल

(b) ऐल्कोहलों के उत्प्रेरकीय विहाइड्रोजनीकरण से : जब प्राथमिक या द्वितीयक ऐल्कोहलों का वाष्प 573K पर अपचयित कॉपर पर प्रवाहित किया जाता है तो उनके विहाइड्रोजनीकरण से क्रमशः ऐल्डिहाइड या कीटोन होते हैं ।



Chapter-12. ऐल्डिहाइड, कीटोन एवं कार्बोक्सिलिक अम्ल

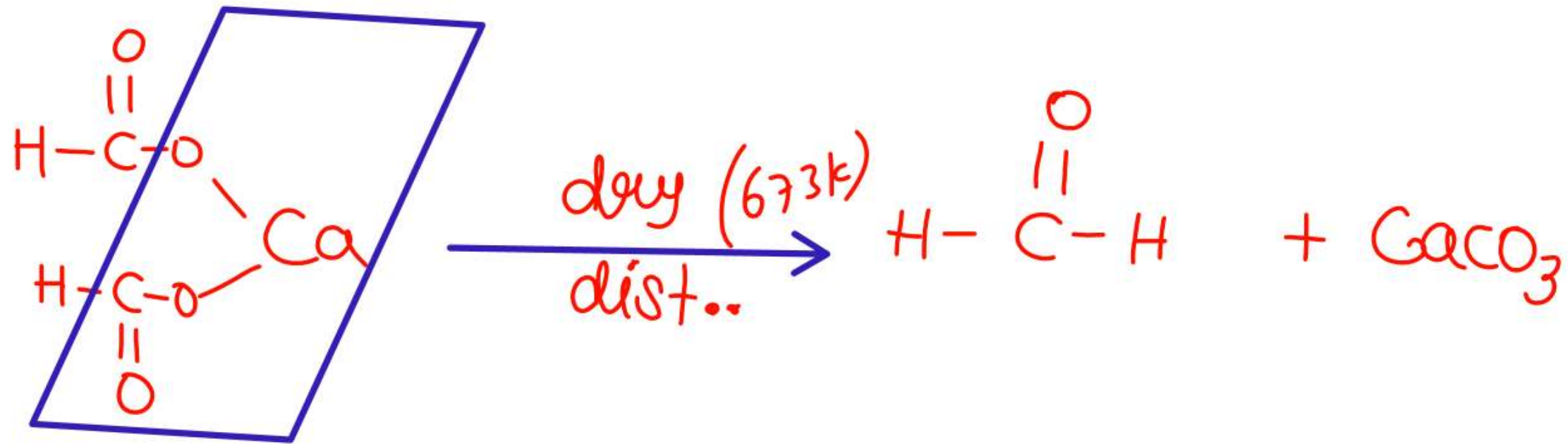
2. कार्बोक्सिलिक अम्ल से : कार्बोक्सिलिक अम्ल को 573K पर तप्त MnO के ऊपर प्रवाहित करने पर इनके उत्प्रेरकीय अपघटन से ऐल्डिहाइड या कीटोन प्राप्त होता है ।



Chapter-12. ऐल्डिहाइड, कीटोन एवं कार्बोक्सिलिक अम्ल

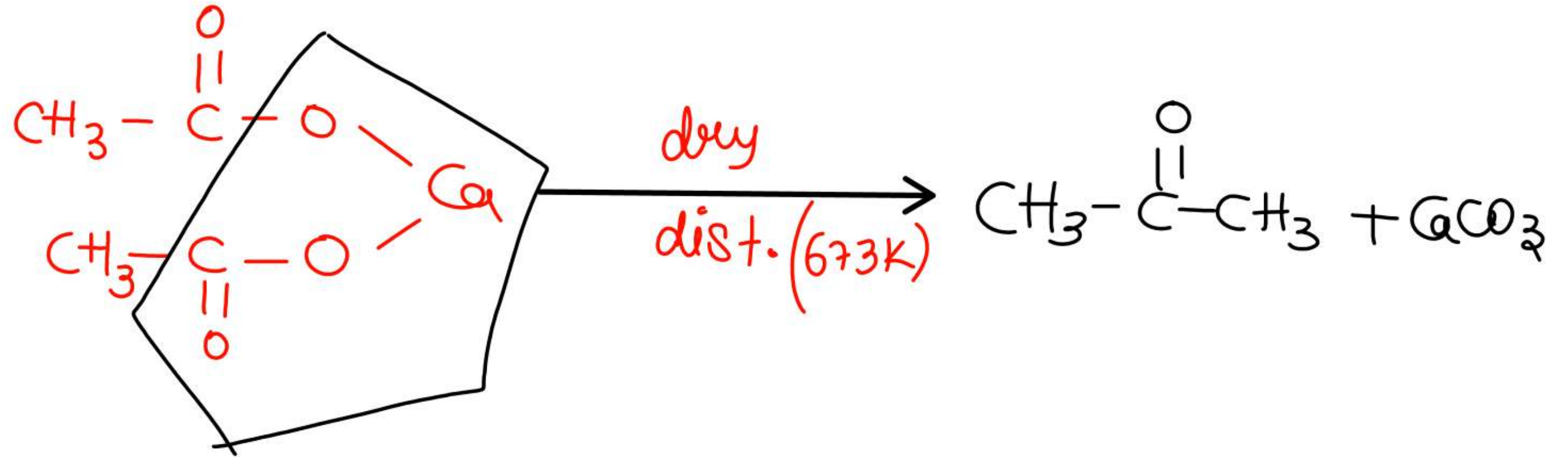
(b) वसीय अम्लों के कैल्शियम लवणों के शुष्क आसवन से

फॉर्मिलिहाइड: केवल कैल्शियम फॉर्मेट के शुष्क आसवन से फॉर्मिलिहाइड प्राप्त होता है।



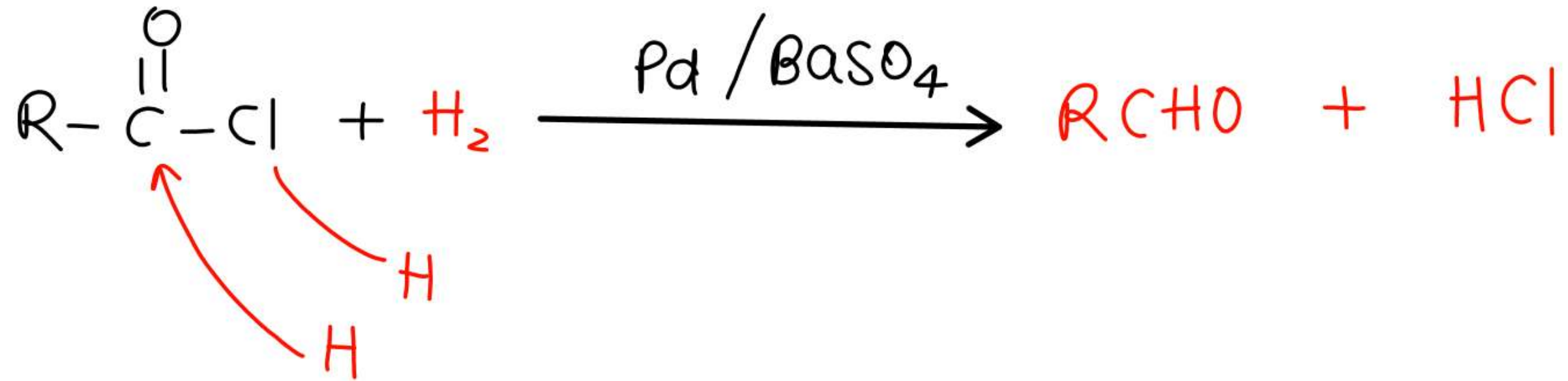
Chapter-12. ऐल्डिहाइड, कीटोन एवं कार्बोक्सिलिक अम्ल

ऐसीटोन: केवल कैल्शियम ऐसीटेट के आसवन से ऐसीटोन प्राप्त होता है



Chapter-12. ऐल्डिहाइड, कीटोन एवं कार्बोक्सिलिक अम्ल

एसिड क्लोराइड से - किसी एसिड क्लोराइड को ज़ाइलिन में घुलाकर प्राप्त विलयन को उबालते हैं। इस विलयन में पैलेडियम युक्त बेरियम सल्फेट की उपस्थिति में हाइड्रोजन गैस प्रवाहित करने पर एसिड क्लोराइड अवकृत होकर ऐल्डिहाइड में बदल जाता है। इस अभिक्रिया को **रोजेनमुंड अभिक्रिया** कहते हैं।



नोट: इस विधि से **कीटोन** नहीं बनता है।